DB14-1-1 Hindi

कि आप विश्वास से गिर न जाए - प्रोग्राम - 1

गिनती बताती है कि लगभग 70 प्रतिशत जवान लोग, जो हाय स्कुल में नियमित रूप में चर्च जाते थे, वो दूर होते हैं, और मसीही विश्वास से हट जाते हैं, जब वो संसार के कॉलेज या यूनिवर्सिटी में जाते हैं/ वो उस विश्वास को क्यों छोड़ देते हैं जिस में वो बड़े थे/ जैसे ही वो यूनिवर्सिटी में जाते हैं तो तुरंत ही संडे स्कुल को भूल जाते हैं, संसार के प्रोफेसर उनके विश्वास को चुनौती देते हैं कि कैसे मसीहियत शुरू हुई थी, क्या सच में यीशु था, क्या हम विश्वास कर सकते हैं कि वो मुर्दों में से जी उठा, हमें बाइबल कहाँ से मिली? और हमें वहां जो जानकारी मिलती है, क्या हम उस पर सच में विश्वास कर सकते हैं?

32 प्रतिशत विद्यार्थियों ने कहा, उन्होंने अपना विश्वास पीछे छोड़ दिया बुद्धिमत्ता से दोष निकलने या संदेह के कारण, उनका विश्वास उनके लिए अब कोई अर्थ नही रख सकता था/ या उन्हें बहुत से सवालों का जवाब नही मिला/

किशोर अवस्था के 63 प्रतिशत विद्यार्थियों ने कहा, कि वो विश्वास नही करते हैं कि यीशु एक सच्चे परमेश्वर का पुत्र है/

51 प्रतिशत लोगों ने कहा, कि वो विश्वास नही करते हैं कि यीशु मुर्दों में से जी उठा है/

68 प्रतिशत लोगों ने कहा, वो विश्वास नही करते हैं कि पवित्र आत्मा सच में एक व्यक्ति है/

और केवल 33 प्रतिशत ने कहा, कि चर्च उनके जीवन में भूमिका निभाएगा जब वो घर छोड़कर जाएगे/

मैं विश्वास करता हूँ कि ये फेर सकते हैं/ मैं अपने पहले दिन को यद् करता हूँ जब मैं संसार की यूनिवर्सिटी में गया था/ जहाँ मैं जो भी विश्वास करता था उसे चुनौती मिली, इसलिए हमारी इस नई टेलीविजन सीरिज का नाम है, आपके बेटे और बेटी को यूनिवर्सिटी में जाने से पहले क्या जानना जरूरी है/ कि वो विश्वास से दूर न चले जाए/ और ये सीरिज केवल विद्यार्थियों के लिए नही है/ लेकिन हर मसीही व्यस्क के लिए है जो अविश्वासी लोगों के साथ काम करते हैं/

आज मेरे मेहमान हैं, जो इस चर्चा में हमारी अगुवाई करेगे, ये हैं डॉक्टर डेरेल बॉक/ हमारे संसार में यीशु के बारे में मुख्य विद्वान्/ और संसार के सबसे बड़े अधिकारी लूका के सुसमाचार और प्रेरितों के काम पर/ ये सीनियर रिसर्च प्रोफेसर हैं, नए नियम के अध्यन पर, डेलस थियोलोजिक्ल सेमनरी में, इन्होने 30 से भी ज्यादा किताबें लिखी हैं/ और ये आए हैं, ए बी सी, सी एन एन, फॉक्स और डिस्कवरी चैनल पर/ मैं आपको न्योता देता हूँ कि हमारे साथ जुड़ जाए, इस विशेष प्रोग्राम द जॉन एन्करबर्ग शो में/

*****

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: प्रोग्राम में स्वागत है/ आज आप के लिए बहुत महत्वपूर्ण प्रोग्राम है/ इसका संबंध आपके बेटे से बेटीयों से है/ आपके नाती पोतों से हैं जो अभी कॉलेज में जा रहे हैं, या यूनिवर्सिटी में, शायद उनका फस्ट यीअर हो, सैकंड यीअर हो, मैं सोचता हूँ, कि क्या वो अपना विश्वास बनाए रखेगे, इसके पहले कि विद्यार्थी यूनिवर्सिटी में प्रवेश करे/ दुसरे सवालों के साथ मैं सच में विश्वास करता हूँ, कि उन्हें इन सवालों का जवाब देना आना चाहिए,

मसीहियत कैसे शुरू हुई थी? क्या नए नियम की किताबों में दी गई जानकारी क्या यही सबसे उत्तम ऐतिहासिक सबूत हैं, जो यीशु ने कहा और किया उसके लिए? कौनसे सबूत हमें बताते हैं कि यीशु एक और धार्मिक शिक्षक नही था/ लेकिन वो सच में शरीर में परमेश्वर था? और ये किताबें कब लिखी गई/ और ये किन्हें लिखी गई थी/ और हम कैसे जानते हैं कि यीशु सच में ईस्टर की सुबह मुर्दों में से जी उठा/ और कब्र को खाली छोड़ दिया/

जब विद्यार्थी पवेश करते हैं, यूनिवर्सिटी में अपने पहले दिन में, तो वो तुरंत ही जान जाते हैं, वो जान जाते हैं कि ये संडे स्कुल की क्लास नही है/ ऐसी कुछ निश्चित चीज़े हैं, जो उन्हें जानना चाहिए/ अपने विश्वास की रक्षा करने के लिए/ और आज मेरे पास यहाँ संसार के सबसे उत्तम विद्वान् हैं, जो हमारी मदत करेगे, कि समझाए कि कैसे दोष निकालनेवाले विद्वान् आप विद्यार्थियों के पीछे पड़ेगे, और हम कौनसे सबूत देगे कि हमारे विश्वास पर हम थामे रह सके/

मेरे मेहमान हैं डॉक्टर डेरेल बॉक, ये हमारे देश में ऐतिहासिक यीशु के विख्यात विद्वान् हैं,लूका के सुसमाचार और प्रेरितों के काम पर संसार में विख्यात अधिकारी हैं/ ये सीनियर रिसर्च प्रोफेसर हैं, नए नियम की स्टडी पर, डेलस थियोलोजिक्ल सेमनरी में, और जब भी बड़ी चर्चा होती है, नेटवर्क टेलीविजन पर, जहाँ थियोलोजियन विचार पर मुद्दा उठता है, कह्स्क्र ऐतिहासिक यीशु के मुद्दे पर/ डेरेल को आप वहां देखेगे, ये रह चुके हैं, ए बी सी, सी एन एन, फॉक्स और डिस्कवरी चैनल पर, ये तो कुछ ही हैं/

अब डेरेल मैं चाहता कि आप समझाए, कि क्या होता है जब ये विद्यार्थी क्लास में प्रवेश करते हैं, उन पहले दिनों में, और वो किन सबूतों का उपयोग कर सकते हैं, कि सवालों का जवाब दे सके/ वो कैसे बहस करते हैं?

डॉक्टर डेरेल बॉक: खैर जब वो क्लास में आते हैं या कहिए जब कैम्पस में आते हैं/ वो इन सवालों के साथ व्यवहार करते हैं, क्या कोई परमेश्वर है? क्या बाइबल वही है जो ये कहती है? क्या हम नए नियम पर भरोसा रख सकते हैं? क्या सच में यीशु का अस्तित्व था और हम उसके बारे में कितना जानते हैं? ? याने ये तो पूरी तरह से अलग है जब हम चर्च में जाते हैं, जब आप चर्च में जाते हैं, तो बाइबल खोलते हैं, हमारे पास सन्दर्भ होता है/ आप जो विश्वास करते हैं उसके बारे में बताया गया है/ ये तो बस यहाँ वचन में होता है/ आप पन्ना खोलते हैं, और वचन देखते हैं, और चर्चा करते हैं/ देखिए यूनिवर्सिटीज में यही होता है, ये पन्ने तो सच में इन्हें निकाला नही जाना है, लेकिन इन्हें रखना चाहिए/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: इन सबको चुनौती दी जाती है?

डॉक्टर डेरेल बॉक: इन सब को चुनौती दी जाती है/ इसलिए सवाल ये होता है, कि हम कैसे जानेगे, कि यीशु ने सच में ये कहा है, हम कैसे जानेगे कि ये किताबे उन्हीं लेखकों ने लिखी है, जिनके बारे में दावा किया जाता है? हम कैसे जानेगे कि यहाँ जो कहा गया है वो सच में दिखाता है, कि पहली सदी में क्या हुआ था? और आप उन सवालों का जवाब केवल ये कहकर नही दे सकते हैं कि बाइबल ये कहती है क्योंकि बाइबल तो अब जवाब के बजाए सवाल हो गई है/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: जी, एक तरह से कहना है, जब मैं यूनिवर्सिटी कैप्स में जाता हूँ या जब मैं चर्च में प्रचार करता हूँ, मैं लोगों से कहता हूँ देखिए, आप इसे देख सकते हैं, जैसे आप अब्राहम लिंकन के डाक्यूमेंट्स देख रहे हैं, ये अच्छे स्रोत हैं, ये अच्छे ऐतिहासिक साहित्य है/ और फिर आप इन शब्दों को देखते हैं, और आप जानते हैं कि वो लिंकन के बारे में क्या कहते हैं, क्या वो सच में उसी जगह पर मरे, या वो केले के छिलके से फिसलकर मर गए, पता नही क्या हुआ? और हम बता सकते हैं, उस जानकारी से/ और हम ये नही कहते कि हम विश्वास नही करते हैं कि बाइबल प्रेरित होकर लिखी नही गई है/ हम बहस नही कर रहे हैं, इस तरह से शुरू करते हूँ, ये तो बाद में हैं जब हम कुछ निष्कर्ष पर आते हैं/ लेकिन हम विद्यार्थियों से कह रहे हैं कि ये ऐसी किताब नही जो स्वर्ग से निचे आई हो, और सडक पर गिरी और आपने उठाई और कहा कि ये अधिकार का स्रोत है/ हम कह रहे हैं कि हमारे पास ऐतिहासिक लेख हैं, हमारे पास सबूत हैं, जो मजबूत हैं, सच में ये सबसे उत्तम है/ शुरू के विश्वासियों के बारे में, उस यीशु में जो अस्तित्व में है/

डॉक्टर डेरेल बॉक: देखिए क्या होता है, जब विद्यार्थी बजार में जाते हैं, और बहुत सी बातें सुनते हैं कि बाइबल क्या है, और वो बहुत से सवाल सुनते हैं कि बाइबल क्या है, कि क्या इस पर भरोसा रखे, और विश्वास करे, और उन्हें संडे स्कुल में केवल यही बताया जाए, वहां जाने से पहले कि बाइबल ही सही है और केवल यही है/ इसके बजाए कि कोई ये क्या है इसकी खासियत दिखाए, कि बाइबल में क्या हो रहा है, तो ये काफी नही होगा/ इसलिए हमारे पास विद्यार्थी तैयार हो जो इन सवालों का जवाब दे सके, और विद्यार्थी जाने कि क्या चर्चा हो रही है, हमें ऐसे विद्यार्थी चाहिए जो कह सके, हम जानते हैं कि ये चर्चा क्या है, हम जानते हैं, और पता है कि आप क्या कहेगे, और यहाँ चर्चा होनी चाहिए,इस बातचीत के बिच हम इस सच्चाई के लिए समर्पित हैं, कि जब आप इसे बहुत बहुत सावधानी से देखते हैं, तो हम मजबूती से बता सकते हैं कि बाइबल जो कहती है ये वही किताब है/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: चलिए, चलिए मैं एक वाक्य को लेता हूँ, जो पूरी तरह से यहाँ पर है/ ठीक हैं तो माता-पिता सुनिए यदी आप अपने बच्चे को संसार की यूनिवर्सिटी में भेज रहे हैं, तो आपको ये सुनना होगा/ ठीक है, सुसमाचार तो सच में उस पर आधारित नही है जो यीशु ने कहा है, या अपने चेलों को सिखाया है, लेकिन ये उन बातों को उभारती है, और मिलकर सबसे बड़ी अधिकाँश की आवाज हो जाती है, मसीही युग की पहली सदी में/ इसका क्या अर्थ है, दोष निकालनेवाले क्या कहते हैं, और आप उसे कैसे सुलझाते हैं, यदि आप विश्वासी हैं/

डॉक्टर डेरेल बॉक: खैर दोष निकालनेवाले इस तरह कहते हैं कि जो थियोलोजी हम देखते हैं ये कोई उत्पादन नही है, सीधा उत्पादन नही है/ यीशु की सेवकाई का, या कुछ केस में, प्रेरितों के लेख में क्योंकि वो दोनों स्रोतों से बिलकुल अलग है/ वो इस तरह बहस करते हैं कि ये दर्शाता है, या बाद को दर्शाता है, पहली सदी के बाद की बात दिखाता है, थियोलोजिक्ल उन्नति जो बाद में आई, याने यहाँ

एक बात, बातचीत का एक भाग है, कि ये दिखाए कि कैसे लेख लिखने की तारीख, हालांकि ये असली घटना के कई दशकों बाद लिखी गई हैं, ये तो सच में उस घटना को दिखाती है, आपने मुझे चर्चा करते हुए सुना, ये समय और जब घटना हुई थी, शायद इसवी सन 30 के शुरू में, उस समय से जब सुसमाचार लिखा गया, इसकी तारीख 50 से लेकर 90 के बिच की है/ कुछ लोग कहते हैं कि ये 80 या 90 के बिच की हैं, ये अंतर भी यहाँ बहुत महत्वपूर्ण बात है/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: जी आप कह रहे हैं कि यीशु शायद 30 या 33 इसवी सन तक रहा है, मरा और मुर्दों में से जी उठा/ और फिर प्रेरित है और फिर ये दरार है,

डॉक्टर डेरेल बॉक: जी बिलकुल/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: और जब वो अंत में, वो एक साथ अपने विचार रखते हैं, किताबों में, ठीक है, या पत्रों में, ये बातें जो आई थी, 40-50-60 में, याने हम दरार के बारे में कह रहे हैं, विश्वासीयों के पास शुरू के समय में क्या था, और हम जानते हैं कि उन्होंने अविष्कार नही किया, यीशु के बारे में, उस समय से लेकर जब वो जीवित था, उस समय जब जानकारी पाई/

डॉक्टर डेरेल बॉक: और हम क्लास रूम में यही सुनते हैं, वो क्लास रूम में ये सुझाव सुनेगे, कि निश्चय ही कुछ हुआ है, यीशु के जीवन में ये घटना होने के बाद याने जब प्रेरित यीशु के साथ चलते थे, उस समय तक जब ये सब लिखा गया/ और और इन में से कुछ, तो ये केवल बढ़ाकर बताना नही है, हर कोई जानता है, वो विचार कर रहे थे, याने लोग सोच रहे थे कि यीशु ने क्या किया, उसका उपयोग करना, जानते हैं, वो जानते थे कि उसकी मृत्यु में उसने क्या किया/ याने यहाँ ये उन्नति हो रही थी, इस उन्नति से परे, वो अवश्य ही सुन रहे थे, कि ऐसी घटनाओं का अविष्कार किया गया, या विवरण जिन्हें चुक गए, और सही तरह से नही रखा गया है/ याने हर तरह की बातें हो रही थी इस बिच के समय में, और इस बिच का समय मुश्किल था,क्योंकि ये तो याद करने की परंपरा की बात थी/ और याद करने की परंपरा में कोई स्रोत नही होते हैं/ हमारे पास वही होता है जो लोगों ने मुँह से कहा हो, ये सबूत कि सच में क्या हुआ था वो सच में चला गया/ याने ये एक खालीपन से व्यवहार कर रहे हैं/ और शिक्षक उस खालीपन में भरते जा रहे हैं, एक तरह के विचार कि क्या हो रहा था, और हम इस तरह सलाह देगे कि और भी कुछ हो रहा था, जिसके बारे में जानना बहुत ही जरूरी है/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: जी, वो मानो इस तरह से कहते हैं, आप के पास दरार है, अवश्य ही हमारे पास ये पत्र हैं, यहाँ नए नियम की किताबें हैं, 27 किताबें या पत्रियाँ यहाँ हैं, ठीक है, लेकिन वो कह रहे हैं कि अब, ये कैसे आया, तो कोई कहेगा, उन्होंने इसका अविष्कार किया है/ इसका उससे कोई संबंध नही है/ या वो कह सकते हैं, यहाँ पर क्रिया है जिसमे विचार आया है/ आप इसे आते देख सकते हैं, इसका जवाब कैसे दे?

डॉक्टर डेरेल बॉक: खैर सबसे पहले हमें जानना होगा कि वो इसे किस तरह करते हैं, तो इसे इस तरह करते हैं कि वो इसके एंगल का फर्क बताते हैं, और इन लेखों के बिच में जो अलग बातें कही गई है वो बताते हैं, तो वो फर्क को बताते हैं, इन लेखों में और फिर वो उस दरार को भरते हैं, अपने जवाब से/ ये तो अवश्य है याने पहले स्रोत ने ये नही कहा, हमारे पास इस समय तक इसके बारे में कोई सबूत नही हैं/ याने ये नई बात, इस नई बात में, कुछ है जो लेखक से आता है, ये और कही से आता है/ ये तो यीशु

के बारे में नही है/ इस तरह वो इस साहित्य से व्यवहार करते हैं, हम तो बस यही सलाह देगे, कि याद करने की परंपरा की क्रिया है, याद करनेवाली क्रिया तो बड़ी है, और बहुत बड़ी बात है जो चर्च जानते थे, केवल लिखे होने से बढ़कर और लोग चुनाव कर रहे थे, कि वो क्या बता रहे हैं/ तो एक लेखक एक तरह के विवरण को चुनता है, दूसरा लेखक दुसरे विवरण को लिखना चुनता है/ इस याद करनेवाली परंपरा में, याने ये आविष्कार नही है, फर्क कोई अविष्कार नही है/ और फर्क मतभेद भी नही बताता है/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: अवश्य ही, मतलब सोचिए कि लोगों ने यीशु को चमत्कार करते हुए देखा/ मतलब वो चमत्कार, चमत्कार करते जा रहा है/ वो अलग जगह पर शिक्षा दे रहा है/ तो जो लोग गाँव में हैं वो सुनते हैं, वो यीशु के जीवन का एक भाग लेते हैं, ठीक हैं, और वो एक भाग को लिखते हैं, और दुसरे व्यक्ति उसे लिखते हैं, जैसे किसी ने एक्सीडेंट में देखा चार लोग एक ही एक्सीडेंट देखते हैं, उन सबके पास कुछ विवरण होता है/ एक ही एक्सीडेंट के/ ठीक है/ ये जानकारी नए नियम में रखी गई है, कि किस तरह से मत्ती ने देखा, किस तरह मरकुस ने देखा/ लूका ने कैसे लिखा जानते हैं, और प्रेरित युहन्ना को ये कैसे याद है/ और उन्होंने इसे कैसे लिखा/ अब उन्होंने इसकी फोटो कॉपी नही की, जैसे पहले ने कहा, हाँ मैं वहां था और ये हुआ/ फोटो कॉपी कर के उस पर मेरा नाम लिखना/ उन्होंने दूसरी चीजों को जोड़ा,जो उन्होंने सोचा कि महत्वपूर्ण है/ शायद वो अलग तरह के लोगों से बातें कर रहे थे/

डॉक्टर डेरेल बॉक: जी सच में युहन्ना के सुसमाचार की केस में, युहन्ना के सुसमाचार का 88 प्रतिशत भाग तो बताया नही गया है, मत्ती, मरकुस और लूका में भी याने ये स्पष्ट है कि युहन्ना ने इस तरह कहा होगा, मैं तुम्हे पूरा ताज़ा टेक दूंगा कि यीशु के साथ क्या हो रहा था, और वो सारी बातें बताऊंगा जो इन सिनोपटीक परंपरा में नही है/ सिनोपटीक याने मत्ती, मरकुस और लूका में, और और देखिए इस तरह के फर्क बताए जाते हैं, दोष निकालनेवाले, और उससे भी बढकर, हमारे पास अतिरिक्त समस्या है, क्योंकि हम यहाँ फूल कोर्ट केस देख रहे हैं, केवल यीशु के बारे में सवाल नही है, केवल बाइबल पर सवाल नही है, ये तो परमेश्वर के बारे में सवाल है/ ये विचार कि परमेश्वर चमत्कार कर रहा है, और इस तरह की बातें, ये भी सामने मेज़ पर है/ याने सच में जब आप जाकर ये बाइबल खोलते हैं/ और आप बैठकर कहते हैं, शुरू के वचन से कि परमेश्वर ने सृष्टि की और बात में ये कहता है कि परमेश्वर ने कहा/ मतलब ये दो शब्द के वाक्य हैं, और आप इस वाक्य के पहले शब्द के बारे में नही जान सकते हैं/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: जी ठीक हैं दोस्तों मैं आपको याद दिलाना चाहता हूँ कि बिल ओ रायली का शो किंग जीजस पर, वो किताब जो उन्होंने लिखी थी, उन्होंने दर्शकों से कहा, और साथ ही उन्होंने बिबिलियोग्रफी में भी लिखा, कि डेरेल, ही वो हैं, जो आपको बता सकते हैं कि कैसे इन स्रोतों से जा सकते हैं, किन स्रोतों में सबसे ज्यादा वजन है/ जो भरोसेमंद हैं, हम इसका मुल्यांकन कैसे करे, और सच्चे सबूत कहाँ पर हैं, और मैं चाहता हूँ कि ये एक सरल उदाहरण बताएं शायद आप उसे जानते भी होगे, 2 कुरिन्थियों 15, और बताएं कि कैसे लिखा और कहा गया और जानकारी देते चले गए, ये सच में हमें उन घटनाओं तक ले जा सकता है/ ये बहुत ही अद्भुत है/ हमारे साथ बने रहे, हम जल्द लौट आएगे/

***

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: ठीक है हम लौट आए हैं, और डॉक्टर डेरेल बॉक से चर्चा कर रहे हैं, और हम चर्चा कर रहे हैं कि आपके विद्वार्थियो को क्या जानना चाहिए, यूनिवर्सिटी में जाने से पहले/ आप जानते हैं, कि यूनिवर्सिटी दोष निकालनेवाली होती हैं, यीशु के बारे में उनके विचारों में, बाइबल और परमेश्वर के

बारे में/ तो आप कैसे सुरक्षित रख सकते हैं, कैसे विद्यार्थी खुद का बचाव कर सकते हैं, इसका सबूत क्या है?

और हम चर्चा कर रहे हैं/ ये जानकारी कैसे आई, हमारे पास यीशु के बारे में कैसे सटीक जानकारी है/ ठीक है/ यदि आप बाइबल खोलकर कहे कि मेरे पास वचन है, लेकिन आप बाइबल खोलकर नही कह सकते हैं/ कि मुझे जानकारी मिली है/ उन लोगों से जिनके पास मजबूत सबूत थे/ जब कोई भी प्राचीन इतिहास को देखता है/ तो हम ऐसी बात देखते हैं जो यीशु के बारे में हमें बताती है/ चलिए 1 कुरिन्थियों 15 से समझाते हैं, जिसे ये बेहतर तरीके से जान पाए/

पौलुस ये किताब लिखता है/ इसवी सन 55 में, उसने पहले ये जानकारी इसवी सन 50 में प्रचार की थी/ याने यदि यीशु इसवी सन 30 में मरा तो हम 30-35 साल बाद की बात कर रहे हैं, ये किताब लिखी और खबर कुरिन्थियो में फैल गई/ ठीक है/ उसने 1 कुरिन्थियों 15 में क्या कहा? वो कहता है, मैं तुम्हें देता हूँ, याने कुरिन्थियों को, सबसे महत्वपूर्ण बात, जो मैंने भी पाई है, उसने कब पाई थी इसके बारे में देखेगे, कि मसीह हमारे पापों के लिए मरा, पवित्रशास्त्र के अनुसार/ कि वो गाढ़ा गया/ और वो तीसरे दिन जिलाया गया, पवित्रशास्त्र के अनुसार/ फिर, यीशु कैफा पर प्रकट हुआ/ और फिर 12 पर/ और उसके बाद एक समय वो 500 से भी ज्यादा भाइयों को दिखाई दिया/ जिनमे से बहुत से तो अब भी जीवित हैं, लेकिन कुछ सो गए हैं/ और फिर वो याकूब के सामने प्रकट हुआ/ और फिर सब प्रेरितों पर/ और सबस अंत में, मुझे भी दिखाई दिया जो अधूर समय का जन्म हूँ/ इसका महत्व क्या है/ जोर्किन जर्मयाह यहूदी विद्वान् कहते हैं, 1 कुरिन्थियों 15 के ये वचन, और देखिए उनके पास मानो चील के जैसी नजरे हैं कि क्या हो रहा था/ बताईये कि क्या हो रहा है?

डॉक्टर डेरेल बॉक: ये तो मुख्य थियोलोजी है जो पारंपरिक रूप में दी गई है/ हमें याद रखना होगा कि ये पहली सदी में हुआ था, जो सामान्य रूप में याद करनेवाली परंपरा थी, जानकारी मुँह के शब्दों द्वारा दी जाती थी, स्मान्य्र रूप में किताबें नही लिखते थे, किताबों का लिखा जाना बहुत बहुत दुर्लभ था/ इसलिए बातें इसी तरह बताई जाती थी/ ये तो दिया जाना था याद की जानेवाली क्रिया से,यहूदी लोग इस याद करनेवाली क्रिया में बहुत अच्छे थे,यदि वो कुछ याद रखना चाहते थे,याने ये छोटी संतुलन की बात हम देखते हैं, कि पवित्रशास्त्र के अनुसार वो गाढ़ा गया, और जी उठा पवित्रशास्त्र के अनुसार/ ये जानबुझकर याद रखनेवाला बनाया गया है/ क्योंकि हमें इस मुख्य थियोलोजी के रूप में याद रखना था/

पौलुस ने जो विचार पाया था, उसने ये शिक्षा पाई थी यही दूसरे प्रेरित भी सिखा रहे थे/ यही बात वो यहाँ बता रहा है/ और पुनरुत्थान तो वो मुख्य बात है जो हम इस अध्याय में चर्चा होते देखते हैं/

एक और बहुत ही मुख्य बात आती है, वो ये विचार है, इस सिधान्तों का सारांश और ये विचार कि ये बाते हुई हैं, इस इतिहास में, यीशु का मरना और यीशु का गाढ़ा जाना तो उसी जगह पर हुआ जहाँ यीशु मुर्दों में से जी उठा है/ ये सब इतिहास है/

अब एक बात जो विद्यार्थी क्लास रूम में सीखते हैं, कि थियोलोजिक्ल वाक्य हैं और ऐतिहस्निक वाक्य हैं, हम इन दोनों को नही मिला सकते हैं/ तो ये विचार की यीशु मुर्दों में से जी उठा है/ ये थियोलोजिक्ल वाक्य है/ ये ऐतिहासिक वाक्य नही है/ और मैं सोचता हूँ कि सारांश में इसे देखना जरूरी है, कि ये विचार कि यीशु मरा और वो गाढ़ा गया, उसे एक ही जगह पर रखा गया है उस

विचार के साथ कि यीशु मुर्दों में से जो उठा है/ इन सबको के साथ हुई घटना के रूप में देखा जाता है/ और उसका प्रकट होना भी एक माना जाता है/ ये इतिहास की सच्चाई है कि ये हुआ है/ हम तो घटना से 20 साल बाद देख रहे हैं, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात तो ये है, ये घटना हो पौलुस बता रहा है, ये थियोलोजी जो बताई जा रही है, ये तो सच में उसके बदलाव के समय के बारे में है/ उसका बदलाव तो हम जिस के बारे में चर्चा कर रहे हैं, उससे भी उपर जाता है/ वो एक या दो साल में बदला था/ यीशु के क्रुसिकरण के बाद/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: जी, ये सच है कि यीशु के मरने के कुछ समय बाद पौलुस विश्वासी होता है/ ये इसवी सन 32 की बात है/ और यरूशलेम में भाइयों से सन 35 मिलता है/ लेकिन वो कहता है कि सन 32 में उसने कुछ प्राप्त किया/ उसने ये किससे पाया था?

डॉक्टर डेरेल बॉक: खैर, वो दावा करता हैं गलातियों कि प्रभु के साथ उसका अनुभव और प्रकट होना सीधा था/ लेकिन जिस थियोलोजी जो वो प्रचार करता है, याने वो उन्हें एक बारे सताया करता था, वो कहता था, मैं ये विश्वास नही करता, मैं सोचता हूँ कि ये लोग पूरी तरह से गलत हैं/ और वो लोगों को बंदी बना रहा था, और जो लोगों के मारे जाने में सहायता करता था, जैसे कि स्थिफ्नुस को मारा गया था/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: लेकिन ये तो ऐसे बात है कि उन्ही लोगों को कुछ साल बाद पौलुस इस तरह का संदेश प्रचार करता है/ सच में इसकी सराहना करना बहुत बहुत जरूरी है/

डॉक्टर डेरेल बॉक: जी, सच में, और इसकी सराहना करना बहुत जरूरी है/ जब पौलुस ने यीशु का वो अनुभव पाया, प्रभु ने कहा कि तू मुझे सताता है/ उसे इस प्रकट होने को समझने के लिए इसे थामना पडा/ और जो समझ उसके पास थी जिसके कारण वो इस प्रकट होने को समझ पाया, वो प्रेरितों का प्रचार और उनका दावा करना था, कि कब्र खाली थी, यीशु मुर्दों में से जी उठा है/ वो जीवित है, वो मसीहा है/ वो प्रभु है/ अब पौलुस इस पर विश्वास नही करता था, जब तक यीशु उस पर प्रकट नही हगा, जब यीशु प्रकट हुआ तो मानो उसने कहा, उप्स, मैंने गलती की, उसका दृष्टिकोण बदल गया/ और इसके बिच हम इस बात को देखते हैं, शायद जानते हैं, ये सबसे ज्यादा प्रभावी होगा, पहली सदी के सबसे प्रभावी चलन का ये व्यक्ति था/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: जी, और पौलुस सामान्य रूप में लोगों को उत्साहित करता है, जिन्हें वो लिखता है/ जानते हैं, यदि तुम मुझ पर विश्वास नही करते हो, तो जाकर इस 500 गवाहों से इसे जांच लो, जिन्होंने एक ही समय में उसे देखा था/ जो विश्वास करते थे कि वो प्रकट हुआ, और इसके सबूत है, जो कुछ सिद्धान्त को दूर करते हैं, जो स्कुल में बताते हैं, जानते हैं, कि ये भ्रम है, या ये शोक था, या ये और वो था/ इसके बारे में थोडा बताइए/

डॉक्टर डेरेल बॉक: देखिए क्या होता है कि वो पुनरुत्थान की घटना पर जाते हैं और पुनरुत्थान की घटना के फर्क के बारे में चर्चा करते हैं/ और वो इसे बताने की कोशिश करते है कि इस में फर्क था, और वो कहेगे कि ये बताता है कि ये कहानी बाद में बनाई गई है/ ये सच में असली घटना नही थी/ लेकिन जिस तरह से ये कहानी बताई जाती है उसके बारे में एक बात तो निश्चित है, जो ये दिखाती है कि इसका अविष्कार नही किया गया है, और ये तो शुरू से ही हुआ था और इस पर हम बाद में चर्चा करेगे,

लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात थी कि स्त्रियाँ शुरू की गवाह थी, क्योंकि परंपरा में स्त्रियों को गवाह के रूप में नही गिना जाता था, यदि हम इस कहानी का आविष्कार कर रहे है और परंपरा में फिट करने की कोशीश कर रहे हैं, तो इस विचार के बचाव के लिए जो विख्यात नही है उसके बचाव के लिए उन्हें उस परंपरा में बताने की कोशीश करेगे, और ये मुश्किल विचार है, कि शारीरिक रूप में वो जी उठा है/ तो उस परंपरा में हम स्त्रियों को अपने मुख्य गवाह के रूप में चुनाव नही करते हैं/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: क्या आपको याद है, कि क्लास में बैठे थे, हम दोनों जब यूनिवर्सिटी में गए थे, हमारे तो, अविश्वासी प्रोफेसर थे, आप उस समय विश्वासी भी नही थे, मैं विश्वासी था लेकिन हमारी यूनिवर्सिटी में एक भी विश्वासी प्रोफेसर नही थे, ठीक है, इसलिए मुझे पहले मसीही प्रोफेसर को देखना पडा/ और मुझे याद है कि उन्होंने मुझ से ऐसी बातें कही जिसके बारे में मुझे कुछ पता नही था/ मेरे पास जानकारी नही थी, आप विद्यार्थियों को कैसे प्रोत्साहित करेगे, जिन्हें आकर शायद एक साल हो चुका है/ और उन्होंने बहुत सी बातों को सुना है/ आप उन्हें कैसे कि मजबूत सबूत हैं, और उन्होंने इसके बारे में सुना नही है/

डॉक्टर डेरेल बॉक: खैर दो बातें कह सकते हैं, पहली बात तो ये है कि मजबूत सबूत जरुर है/ इस कहानी का भाग जो अक्सर क्लास रूम में नही सुनते हैं, वो भी महत्वपूर्ण है/ शायद यूनिवर्सिटी में जाने से पहले उन्होंने इसे चर्च में भी नही सुना होगा/ जिसके लिए हम ये शो में दिखा रहे हैं/ लेकिन दूसरी बात तो ये है कि हमें ये जानना होगा, कि जिन लोगों के विरुद्ध में आप क्लास रूम में हैं, उन्होंने अपना जीवन दिया है कि इस बात का अध्यन करे जिसके बारे में हम चर्चा कर रहे हैं/ हम तो केवल कुछ हप्तों में इसके बारे में चर्चा नही करेगे, कि भर जाए और इसे जानकर उन्हें ये बताए/ हमें तो सच में इस में जुड़ना होगा, इस पुरे दृष्टिकोण के साथ, जो हमारे विरुद्ध में हो रहा है, और जान ले कि ये जो हो रहा है वो क्या है/ और फिर पीछे जाकर थोडा रुके और जान ले, कि शायद आप बातचीत का आधा भाग भी नही ले रहे हैं, ये तब होता है जब लोग बाइबल का अध्यन करते हैं/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: जी, दोस्तों, हम तो इस बात से बस शुरू कर रहे हैं, और आशा करता हूँ कि आप देख सकते हैं कि इस जानकारी का महत्व क्या है, और अगले हफ्ते हम इस विषय पर देखेगे, कि ऐतिहासिक सबूत क्या है कि कैसे मसीहियत सच में शुर हुई थी? इसके बारे में बहुत बहुत थेयरी हैं कि कैसे मसीहियत शुरू हुई थी/ मतलब आप बस डिस्कवरी चैलन को देखिए/ सी एन एन देखिए, क्रिसमस ईस्टर पर/ और वो बहुत से विचार देते हैं, जिन्हें आप बहुत अजीब पाते हैं, ठीक है, मसीहियत कैसे शुरू हुई थी/ हम अगले हफ्ते इसके बारे में चर्चा करेगे, आशा करता हूँ कि आप हमारे साथ जुड़ जाएगे/

द जॉन एन्करबर्ग शो
पी ओ बॉक्स 8977
Chattanooga, TN 37414
जे ए शो डॉट ऑर्ग
001-423-892-7722
Copyright 2015 ATRI